धौलपुर गैस ताप विद्युतगृह

धौलपुर में स्थापित 330 मेगावाट क्षमता वाले गैस आधारित ताप बिजलीघर की प्रथम दो इकाइयां विद्युत उत्पादन के लिए 1 सितम्बर से चालू कर दी गई है। इनके चालू होने के साथ ही मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे एवं धौलपुर की जनता का लगभग 22 वर्ष पुराना सपना साकार हो गया है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की गैस आधारित दूसरी विद्युत परियोजना है। इस प्रकार का गैस आधारित पहला विद्युत गृह जैसलमेर जिले के रामगढ में है।

प्रदेश के दक्षिण पूर्वी भाग में कोटा में, सूरतगढ में, पश्चिम भाग में रामगढ (जैसलमेर) में, बाडमेर में तथा दक्षिण भाग में बांसवाडा में विद्युत गृह उत्पादनरत है । अब धौलपुर विद्युतगृह द्वारा बिजली उत्पादन शुरु करने के साथ राजस्थान के पूर्वी भाग में भी एक विद्युत गृह की स्थापना हो गई हैं। यहां स्थापित किया गए बिजलीघर के जरिए इस क्षेत्र के विकास और प्रगति को आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी।

इस परियोजना की अनुमानित लागत 1155 करोड रुपये है। विद्युतगृह की पहली 2 इकाइयों में गैस टरबाईन स्थापित किए गए हैं जिनकी प्रत्येक की क्षमता 110– 110 मेगावाट है तथा तीसरी इकाई में 110 मेगावाट क्षमता की एक स्टीम टरबाइन स्थापित की जा रही है । प्रथम इकाई 29 मार्च को तथा द्वितीय इकाई 16 जून को 2007 को विद्युत उत्पादन के लिए सफलतापूर्वक सिन्क्रोनाइज कर राज्य ग्रिड से जोड दी गई थी।

प्रथम दोनो इकाइयों में ईंधन के रुप में गैस प्रयुक्त होगी तथा तृतीय इकाई में ईंधन के रुप में प्रथम दोनों गैस इकाइयों से निष्कमित फ्लू गैसों की उष्मा का उपयोग किया जावेगा। इस तरह तृतीय इकाई द्वारा विद्युत उत्पादन किए जाने पर ईंधन के लिए कोई व्यय नहीं होगा तथा किसी प्रकार का प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। परियोजना की तीनो इकाइयों द्वारा पूर्ण क्षमता से उत्पादन आरम्भ करने के साथ 75 लाख यूनिट बिजली प्रतिदिन राज्य को मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे के नेतृत्व में एवं ऊर्जा राज्यमंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खीमसर के मार्गदर्शन में इस विद्युतगृह की दोनो इकाइयों का निर्माण कार्य निर्धारित समय से पहले पूर्ण कर लिया गया है। पहली इकाई का निर्माण 17 महीने में पूर्ण कर लिया गया था जबकि इससे पहले इसी क्षमता की गैस आधारित विद्युत उत्पादन इकाई की न्यूनतम निर्माण अवधि 20 माह थी जो धुवरन विद्युतगृह (गुजरात) में स्थापित की गई थी।

लगभग 11 वर्ष पहले मैसर्स आर पी जी द्वारा यहां पर नेफ्था आधारित विद्युतगृह स्थापित करने का विचार किया गया था परन्तु नेफ्था के मूल्यों में बढोतरी व अन्य कई कारणों से मैसर्स आर पी जी ने इस परियोजना से अपना हाथ खींच लिया। तब यह परियोजना विद्युत उत्पादन निगम को वर्ष 2003 में हस्तांतरित कर दी गई।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे के सानिध्य में विद्युत उत्पादन निगम और ओ. एन.जी.सी. के मध्य 31 अक्टूबर 2005 को गैस आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए जिसके अनुसार ओ.एन.जी.सी. अपनी पन्ना–मुक्ता–ताप्ती क्षेत्र से 1.5 एमएमएससीएमडी गैस इस बिजलीघर के लिये उपलब्ध करायेगा।

विद्युतगृह के मुख्य उपकरणों की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य मैसर्स भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने एवं बैलेन्स आफ प्लान्ट का कार्य मैसर्स जिया एनर्जी सिस्टम, चेन्नई ने किया है। इस विद्युतगृह के लिये गैस पहुॅचाने का कार्य मैसर्स गेल (इंडिया) लि. द्वारा किया जा रहा है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम और गेल (इंडिया) लि. के मध्य गैस ट्रांसमिशन अनुबंध 12 अप्रेल, 2006 को हस्ताक्षरित किया गया था। इस अनुबंध के अनुसार गेल (इंडिया) निगम के धौलपुर विद्युतगृह तक 1.5 एमएम एससीएमडी गैस का परिवहन करेगा। इस विद्युतगृह को ओ.एन.जी.सी. द्वारा सप्लाई की जाने वाली गैस गेल इंडिया की एच.बी.जे.पाइप लाइन से किया जायेगा। गेल इंडिया द्वारा इस मुख्य लाईन पर इब्राहीमपुर से धौलपुर में विद्युतगृह तक लगभग 31 किलोमीटर लंबी पाइपलाईन का निर्माण कार्य सम्पन्न हो चुका है।

इस विद्युतगृह के लिये पानी की स्त्रोत इससे 7 किमी दूर बह रही चंबल नदी है। इस विद्युतगृह द्वारा उत्पादित बिजली को प्रसारित करने के लिये निकट ही 220 केवी धौलपुर जी.एस.एस. विद्यमान है। धौलपुर रेल व सडक मार्ग से भी जुडा हुआ है।

गैस आधारित विद्युत परियोजना होने के कारण यह परियोजना जल एवं वायु प्रदूषण की दृष्टि से अपेक्षाकृत सुरक्षित है। वातावरण को फलू गैस के प्रभाव से सुरक्षित बनाने की दृष्टि से 70 मीटर ऊँची चिमनी स्थापित की गई है। पर्यावरण को प्रदूषण से बचाव के लिए विद्युतगृह एवं इसके आस–पास लगभग 30 प्रतिशत में पौधारोपण कर हरित पट्टी विकसित की जा रही है। इसके अतिरिक्त परियोजना के समीप चम्बल गार्डन विकसित करना प्रस्तावित है, जिसके लिए राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा 147 लाख रूपये की सहयोग राशि आंवटन किया गया है।

परियोजना निर्माण के प्रमुख चरण

♦ प्रशासनिक एवं वितीय स्वीकृति	13.08.03
♦ एयरपोर्ट आथोरिटी द्वारा स्वीकृति	06.05.04
♦ एमओईएफ द्वारा पर्यावरण स्वीकृति	10.06.05
♦ अभियांत्रिक सलाहकार की नियुक्ति	15.09.03
♦ सिचाई विभाग द्वारा जल आवंटन	18.10.04
♦ प्रमुख उपकरणों के लिए आदेश	05.06.04
♦ बैलेन्स आफ प्लान्ट ऑडर	05.10.05
♦ गैस आपूर्ति हेतु अनुबन्ध	31.10.05
♦ गैस परिवहन हेतु अनुबन्ध	12.04.06
♦ सिक्रोनाइजेशन प्रथम इकाई	29.03.07
♦ सिक्रोनाइजेशन द्वितीय इकाई	16.06.07
♦ सिक्रोनाइजेशन स्टीम टरबाइन इकाई	15.10.07 (प्रस्तावित)

धौलपुर गैस थर्मल पॉवर स्टेशन
उल्लेखनीय तथ्य

नियोजित क्षमता – गैस टरबाइन–1 गैस टरबाइन–2 स्टीम टरबाइन	 110 मेगावाट 110 मेगावाट 110 मेगावाट
अनुमानित लागत	1155 करोड़ रूपये
परियोजना स्थल	धौलपुर (राजस्थान)
जिला मुख्यालय से दूरी	7 किलोमीटर बाडी रोड़ पर
भू क्षेत्र	77 बीघा
जल स्त्रोत	चम्बल नदी से 20 क्यूसेक
ईधन मात्रा	1.5 MMSCMD गैस
ईधन (गैस) आपूर्ति	ओएनजीसी द्वारा
ईधन (गैस) परिवहन	GAIL द्वारा
दैनिक विद्युत उत्पादन	75 लाख यूनिट